मिलान करे

भीम, द्रोपदी के पुत्र का नाम	सुभद्रा
खांडव वन मे इंद्र का मित्र	बारह वर्ष
द्वारका मे अर्जुन का विवाह	सुतसोम
द्रोपदी पूर्वजन्म मे थी	पांचाल
वनवास खत्म होने तक अर्जुन रहे	तक्षक नाग
खांडवप्रस्थ का नया नाम	गांडीव
मय दानव श्रेष्ठ	ऋषि कन्या
अर्जुन को वनवास मिला	इंद्रप्रस्थ
अर्जुन को अग्निदेव से प्राप्त धनुष	वास्तुशिल्पी
द्रोपदी राजकुमारी थी	पुष्कर तीर्थ

LIVEWORKSHEETS

LIVEWORKSHEETS